भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3710

उत्तर देने की तारीख-24/03/2025

एनआईआरएफ रैंकिंग पर चिंता

†3710. सुश्री सयानी घोष:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ़्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) की रैंकिंग के संबंध में व्यक्त की गई चिंताओं को संज्ञान में लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार एनआईआरएफ रैंकिंग में समकक्ष अवधारणा के महत्व पर ध्यान देने अथवा इसके स्थान पर इसकी व्यक्तिपरकता को देखते हुए इसके स्थान पर और अधिक वस्तुनिष्ठ मैट्रिक्स लाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) एनआईआरएफ रैंकिंग में क्षेत्रीय पूर्वाग्रह के आरोपों को दूर करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं, जो उपनगरीय और राज्य संचालित उच्चतर शिक्षण संस्थानों की तुलना में महानगरीय संस्थानों के पक्ष में प्रतीत होते हैं;

(घ) सरकार इन चिंताओं का किस प्रकार समाधान करती है कि अधिक विज्ञापनों द्वारा बजट और पहुंच क्षमताओं वाले निजी उच्चतर शिक्षा संस्थानों को समकक्ष अवधारणा रैंकिंग में अनुचित लाभ मिलता है; और

(ङ.) उच्चतर शिक्षा संस्थानों का और अधिक व्यापक मूल्यांकन सुनिश्चित करने के लिए एनआईआरएफ ढांचे में शिक्षण गुणवत्ता के प्रत्यक्ष मूल्यांकन, जैसे कक्षा अवलोकन, छात्र मूल्यांकन और पूर्व छात्रों की प्रतिक्रिया शामिल न किए जाने के क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ): उच्चतर शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के लिए, इन एचईआई की वार्षिक रैंकिंग (जिसे भारत रैंकिंग कहा जाता है) के लिए भारत सरकार

द्वारा वर्ष 2015 में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) शुरू किया गया था। भारत रैंकिंग की कार्यप्रणाली पांच व्यापक मापदंडों अर्थात "शिक्षण, अधिगम और संसाधन", "अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास", "स्नातक परिणाम", "आउटरीच और समावेशिता" और "सहकर्मी धारणा" पर आधारित है, ।

एनआईआरएफ भाग लेने वाले संस्थानों और विभिन्न विषयों/श्रेणियों के प्रतिनिधियों से फीडबैक/इनपुट आमंत्रित करता है। रैंकिंग पद्धति विकसित हुई है और पिछले कुछ वर्षों में उपरोक्त फीडबैक और इनपुट के आधार पर नए विषयों/श्रेणियों को भी पेश किया गया है। एनआईआरएफ रैंकिंग के तहत विषयों/श्रेणियों की संख्या वर्ष 2016 में 4 से बढ़कर वर्ष 2024 में 16 हो गई है।

एनआईआरएफ संस्थानों की रैंकिंग के लिए सहकर्मी धारणा सर्वेक्षण सहित कई कारकों का उपयोग करता है। एनआईआरएफ में सहकर्मी धारणा के लिए 10 प्रतिशत का वेटेज है जबकि रैंकिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा 33 से 45 प्रतिशत वेटेज का उपयोग किया जाता है। सहकर्मी धारणा सर्वेक्षण में उत्तरदाता राष्ट्रीय स्तर के साथ-साथ क्षेत्रीय स्तर पर संस्थानों का विवरण प्रदान करते हैं।

सहकर्मी धारणा सर्वेक्षण नियोक्ताओं, प्रतिष्ठित संगठनों के पेशेवरों और शिक्षाविदों की एक बड़ी श्रेणी पर आयोजित किया जाता है ताकि विभिन्न संस्थानों के स्नातकों के प्रति उनकी प्राथमिकता का पता लगाया जा सके।

एनआईआरएफ ढांचा भारत में उच्चतर शिक्षा की जटिल और बहुस्तरीय संरचना को ध्यान में रखता है, जिसमें विषयों की विविधता, शिक्षण संकाय की गुणवत्ता, विश्वविद्यालय परीक्षाएं, प्लेसमेंट, उच्च अध्ययन, आउटरीच और समावेशिता, वित्तीय सहायता आदि शामिल हैं।

एनआईआरएफ संस्थानों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर संस्थानों को रैंक करने के लिए मात्रात्मक रैंकिंग मापदंडों का उपयोग करता है।

*****